सत्र: 2025-2026
वार्षिक पाठ्यक्रम संरचना
कक्षा-IX
विषय: सामाजिक विज्ञान (विषय कोड-087)

क्रम	पुस्तक	अंक
I	भारत एवं समकालीन विश्व-I	18+2(मानचित्र अंकन)=20
II	समकालीन भारत-I	17+3(मानचित्र अंकन)=20
III	लोकतांत्रिक राजनीति-I	20
IV	अर्थशास्त्र	20
योग		**80**
आतंरिक मूल्यांकन		**20**
पूर्णांक		**100**

पुस्तक का नाम	अध्याय सं. एवं नाम	अधिगम संप्राप्ति
भारत एवं समकालीन विश्व-1	**अध्याय-1: फ्रांसीसी क्रांति**	❖ यूरोपीय देशों एवं अन्य स्थानों पर राष्ट्र राज्यों के निर्माण में फ्रांसीसी क्रांति के प्रभावों का निष्कर्ष निकालने में सक्षम है। ❖ साम्राज्यवाद का प्रथम विश्व युद्ध के कारण के रूप में वर्णन करने में सक्षम हैं। ❖ क्रांति का कारण बन सकने वाले असंतुलनों के विभिन्न स्रोतों की परख करने में सक्षम होंगे।
भारत एवं समकालीन विश्व-1	**अध्याय-5: आधुनिक विश्व में चरवाहे (केवल आवधिक परीक्षा/ मध्यावधि परीक्षा में आकलन हेतु)**	❖ घुमंतु समुदायों के बनने में जलवायु परिस्थितियों और स्थलाकृतियों जैसे प्रमुख कारकों की परख करता है। ❖ भारत में विभिन्न स्थानों में चरवाहा समाजों के भीतर विकास के विभिन्न पैटर्न का विश्लेषण करता है। ❖ भारत और अफ्रीका में चरवाहा समुदायों पर उपनिवेशवाद के प्रभावों की समझ विकसित करता है।
लोकतांत्रिक राजनीति-I	**अध्याय-1: लोकतंत्र क्या?, लोकतंत्र क्यों?**	❖ लोकतंत्र के संरचनात्मक घटकों की अवधारणा और उसके स्वरूपों/ विशेषताओं का परीक्षण करता है। ❖ भारत और उत्तर कोरिया के लोकतंत्रों की कार्यप्रणाली की तुलना एवं महत्व का विश्लेषण करता है। ❖ लोकतंत्र को बढ़ावा देने में योगदान देने वाली विभिन्न ऐतिहासिक प्रक्रियाओं और ताकतों का विश्लेषण कर निष्कर्ष निकालता है।
लोकतांत्रिक राजनीति-I	**अध्याय-2: संविधान निर्माण**	❖ भारतीय संविधान के निर्माण में सहायक स्थितियों पर समूह चर्चा करता है। ❖ किसी भी संविधान का मसौदा तैयार करते समय ध्यान में रखी जाने वाली आवश्यक विशेषताओं की सूची तैयार करता है। ❖ उन मूल्यों का परीक्षण करता है जिन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण का मार्गदर्शन किया। ❖ भारत के नागरिक के रूप में भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को समझता है।

समकालीन भारत-1	**अध्याय-1: भारत-आकार और स्थिति**	❖ देशांतर और अक्षांश के संदर्भ में किसी क्षेत्र की अवस्थिति उसकी जलवायु और समय को किस प्रकार प्रभावित करता है, की परख करता है। ❖ अपने पड़ोसी देशों के साथ भारत के व्यापारिक और सांस्कृतिक संबंधों का अन्वेषण और विश्लेषण करता है। ❖ उस स्थितियों और कारणों का मूल्यांकन करता है जिसके कारण 82.5^0 पू. देशांतर को भारत का समय मध्याह्न रेखा बनाया गया। ❖ उपमहाद्वीप में एक रणनीतिक भागीदार के रूप में भारत की अवस्थिति अपनी स्थिति को किस प्रकार सक्षम बनाती है, इसका परीक्षण करता है। ❖ जलवायु परिस्थितियों, स्थानीय और मानक समय में अंतर के कारणों का औचित्य सिद्ध करता है।
समकालीन भारत-1	**अध्याय-2: भारत का भौतिक स्वरुप**	❖ भारत की भौतिक विशेषताएं इस क्षेत्र की आजीविका, संस्कृति और जैव विविधता को कैसे प्रभावित करती हैं, का न्यायोचित विवरण प्रदान करता है। ❖ भारत में विविध भौतिक विशेषताओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली भूगर्भीय प्रक्रियाओं की परख करता है । ❖ विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की स्थितियों और उनके संबंधों का विश्लेषण करता है। ❖ विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों की जांच करता है।
समकालीन भारत-1	**अध्याय-3: अपवाह**	❖ विभिन्न झीलों के बारे में जानकारी एकत्रित करता है और भारतीय पारिस्थितिकी में उनके योगदान की परख करता है। ❖ भारतीय अर्थव्यवस्था में जल निकायों के योगदान को बढ़ाने के लिए एवं जल प्रदूषण की रोकथाम के लिए रचनात्मक समाधान भी प्रस्तुत करता है। ❖ देश की नदी प्रणालियों की पहचान करता है और मानव समाज में नदियों की भूमिका की व्याख्या करता है।
अर्थशास्त्र	**अध्याय-1: पालमपुर गाँव की कहानी (केवल आवधिक/ मध्यावधि परीक्षा में आकलन हेतु)**	❖ उत्पादन की आवश्यकताओं को सूचीबद्ध करता है और इन आवश्यकताओं की परस्पर निर्भरता की समझ विकसित करता है। ❖ कृषि और गैर-कृषि गतिविधियों का आर्थिक विकास से सहसंबंध स्थापित करता है। ❖ खेती की स्थितियों का महत्व और उत्पादन के कारक आर्थिक विकास को किस प्रकार प्रभावित करते हैं, इसकी समझ विकसित है। ❖ समतामूलक समाज को बढ़ावा देने के लिए समाधान ढूँढता है।
अर्थशास्त्र	**अध्याय-2: संसाधन के रूप में लोग**	❖ जनसंख्या की गुणवत्ता में योगदान देने वाले कारकों का मूल्यांकन करता है। ❖ विभिन्न सरकारी योजनाओं और लोगों पर इसकी गुणवत्ता के प्रभाव का निरीक्षण करता है।

नोट:

- **उपरोक्त वर्णित पाठ्यक्रम 6 सितम्बर 2025 तक पूर्ण कीजिए ।**
- **मध्यावधि परीक्षा के लिए पुनरावृत्ति।**

मध्यावधि परीक्षा 2025

पुस्तक का नाम	अध्याय सं. एवं नाम	अधिगम संप्राप्ति
भारत एवं समकालीन विश्व-1	**अध्याय-2: यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति**	❖ उन स्थितियों की तुलना करता है जिनके कारण रूसी और फ्रांसीसी क्रांतियाँ शुरू हुई। ❖ उन स्थितियों का परीक्षण करता है जिनके कारण लेनिन के साम्यवाद और स्टालिन के सामूहिकीकरण योजना की स्थापना हुई। ❖ क्रांति को आकार देने वाले विभिन्न दार्शनिकों और नेताओं द्वारा निभाई गई भूमिका का विश्लेषण करता है।
भारत एवं समकालीन विश्व-1	**अध्याय-3: नात्सीवाद और हिटलर का उदय**	❖ हिटलर के सत्ता में आने में "वर्साय की संधि" की भूमिका का विश्लेषण करता है। ❖ हिटलर द्वारा "अवांछनीयों" के विरुद्ध छेड़े गए नरसंहार का विश्लेषण करता है। ❖ हिटलर और गांधी की विशेषताओं की तुलना करता है और अंतर बताता है।
भारत एवं समकालीन विश्व-1	**अध्याय-4: वन्य समाज एवं उपनिवेशवाद**	❖ अनुलग्नक II देखिए। **(बहु-मूल्यांकन के भाग के रूप में भूगोल के अध्याय-5, "प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन" के साथ अंतःविषय परियोजना)**
लोकतांत्रिक राजनीति-I	**अध्याय-3: चुनावी राजनीति**	❖ वोट की शक्ति और वापस बुलाने की शक्ति के निहितार्थ का विश्लेषण करता है। ❖ भारतीय चुनाव प्रणाली की आवश्यक विशेषताओं का सारांश प्रस्तुत करता है। ❖ वर्तमान भारतीय चुनाव प्रणाली को अपनाने के औचित्य का परीक्षण करता है।
लोकतांत्रिक राजनीति-I	**अध्याय-4: संस्थाओं का कामकाज**	❖ सरकार के तीनों अंगों की भूमिकाओं, जिम्मेदारियों और परस्पर निर्भरता की जांच करता है। ❖ विधायिका के प्रति कार्यपालिका की जवाबदेही की संसदीय प्रणाली की सराहना करता है। ❖ भारत में कानून के शासन को सारांशित कर उनका मूल्यांकन करता है।
लोकतांत्रिक राजनीति-I	**अध्याय-5: लोकतांत्रिक अधिकार**	❖ जिम्मेदार नागरिकों की भूमिका का विश्लेषण करता है। ❖ राष्ट्र के गौरव के आलोक में मौलिक अधिकारों एवं कर्तव्यों के महत्व को संक्षेप में प्रस्तुत करता है। ❖ अपने निर्धारित कर्तव्यों का पालन करते समय या अधिकारों का दावा करते समय एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका की पहचान करता है।
समकालीन भारत-1	**अध्याय-4: जलवायु**	❖ भारतीय उपमहाद्वीप की वर्षा पर मानसूनी हवाओं के प्रभाव का विश्लेषण करता है और निष्कर्ष निकालता है। ❖ पठारी क्षेत्रों, हिमालयी क्षेत्रों, रेगिस्तानी क्षेत्रों और तटीय क्षेत्रों के बीच तापमान के अंतर का विश्लेषण करता है। ❖ भारत के विभिन्न भौगोलिक स्थानों पर तापमान के बीच व्यापक अंतर के कारणों की गणना करता है एवं उन्हें सारांशित करता है।
समकालीन भारत-1	**अध्याय-5: प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी (केवल मानचित्र कार्य हेतु)**	❖ अनुलग्नक II देखिए। **(बहु-मूल्यांकन के भाग के रूप में इतिहास के अध्याय-4: "वन्य समाज एवं उपनिवेशवाद" के साथ अंतःविषय परियोजना)**
समकालीन भारत-1	**अध्याय-6; जनसंख्या**	❖ उत्तर प्रदेश और राजस्थान तथा मिजोरम और कर्नाटक के विशिष्ट संदर्भ में भारत में जनसंख्या के असमान वितरण के पीछे के कारणों का विश्लेषण करता है और निष्कर्ष निकालता है। ❖ जनसंख्या के घनत्व को प्रभावित करने वाले कारकों को सूचीबद्ध करता है।
अर्थशास्त्र	**अध्याय-3: निर्धनता: एक चुनौती**	❖ ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में निर्धनता के कारणों को समझ उत्पन्न करता है। ❖ निर्धनता उन्मूलन के लिए सरकार द्वारा किए जाने वाले प्रयासों की प्रभावकारिता का मूल्यांकन करता है। ❖ 1993-94 से 2011-12 तक निर्धनता अनुमान में आये हुए बदलावों की तुलना करता है। ❖ शिक्षा और निर्धनता के बीच की कड़ी को सहसंबंधित करता है।

अर्थशास्त्र	**अध्याय-4: भारत में खाद्य सुरक्षा**	❖ खाद्य सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं को जो जनता को आपूर्ति की निरंतरता सुनिश्चित करता है की समझ उत्पन्न करता है। ❖ जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) की विभिन्न विशेषताओं की गणना करता है जो सीधे खाद्य सुरक्षा को संबोधित करती हैं। ❖ हरित क्रांति के प्रभावों का विश्लेषण और इसका निष्कर्ष निकालता है। ❖ स्वतंत्रता पूर्व एवं स्वतंत्रता के पश्चात भारत में खाद्य सुरक्षा में अकाल/आपदाओं के कारणों और प्रभाव का विश्लेषण करता है।

नोट: ❖ **उपरोक्त वर्णित पाठ्यक्रम 31 जनवरी 2026 तक पूर्ण कीजिए।** ❖ **वार्षिक परीक्षा के लिए पुनरावृत्ति।** ❖ **वार्षिक परीक्षा में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा।**
वार्षिक परीक्षा 2026

(उपरोक्त वर्णित पाठ्यक्रम CBSE की वेबसाइट पर उपलब्ध पाठ्यक्रम दिनांक 28-03-2025 के अनुरूप है ।)

विषय	**वेब लिंक**
पाठ्यक्रम	**https://cbseacademic.nic.in/curriculum_2026.html**
पाठ्यपुस्तक	**https://ncert.nic.in/textbook.php**

मानचित्र कार्यों की सूची कक्षा IX (2025-26)

विषय – इतिहास (2 अंक)

अध्याय-1: फ्रांसीसी क्रांति

फ्रांस के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित स्थानों को पहचानिए/ चिह्नित कीजिए/ नाम लिखिए:

- बोर्डो
- नैन्ते
- पेरिस
- मार्सिले

अध्याय-2: यूरोप में समाजवाद और रूसी क्रांति

विश्व के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित स्थानों को पहचानिए/ चिह्नित कीजिए:

प्रथम विश्व युद्ध के प्रमुख देश

- **केंद्रीय शक्तियाँ** - जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, तुर्की (ओटोमन साम्राज्य)
- **मित्र शक्तियाँ** - फ्रांस, इंग्लैंड, रूस और यू.एस.ए.

अध्याय-2: नात्सीवाद एवं हिटलर का उदय

विश्व के रेखा मानचित्र पर निम्नलिखित स्थानों को पहचानिए/ चिह्नित कीजिए:

द्वितीय विश्व युद्ध के प्रमुख देश

- **धुरी शक्तियाँ** - जर्मनी, इटली, जापान
- **मित्र शक्तियाँ** – यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, पूर्व सोवियत संघ, यू.एस.ए.

विषय – भूगोल (3 अंक)

अध्याय -1: भारत-आकार और स्थान

- भारत के प्रमुख राज्य एवं उनकी राजधानियाँ,
- कर्क रेखा, मानक मध्याह्न (पहचानना/ चिह्नित)
- पड़ोसी देश

अध्याय -2: भारत की भौतिक विशेषताएं

पर्वत श्रृंखलाएं: काराकोरम, जास्कर, शिवालिक, अरावली, विंध्य, सतपुड़ा, पश्चिमी और पूर्वी घाट
पर्वत चोटियाँ: K2, कंचनजंगा, अनाईमुदी
पठार: दक्कन का पठार, छोटानागपुर का पठार, मालवा का पठार
तटीय मैदान: कोंकण, मालाबार, कोरोमंडल और उत्तरी सरकार (स्थान और लेबलिंग)

अध्याय -3: अपवाह

नदियाँ: (केवल पहचान)

- **हिमालय नदी प्रणाली:** सिंधु, गंगा और सतलुज
- **प्रायद्वीपीय नदियाँ:** नर्मदा, तापी, कावेरी, कृष्णा, गोदावरी, महानदी
- **झीलें:** वुलर, पुलिकट, सांभर, चिल्का

अध्याय - 4: जलवायु

- भारत में वार्षिक वर्षा, मानसून हवा की दिशा

अध्याय - 6: जनसंख्या

- सभी राज्यों का जनसंख्या घनत्व।
- सबसे अधिक और सबसे कम जनसंख्या घनत्व वाला राज्य।

CLASS IX (2025-2026)
Weightage to Type of Questions

Sr. No.	Types of Questions	Marks (80)	Percentage
1	**1 Mark MCQs (20x1)** (Inclusive Of Assertion, Reason, Differentiation & Stem)	**20**	**25%**
2	**2 Marks Narrative Questions (4x2)** (Knowledge,Understanding,Application,Analysis,Evaluation,Synthesis & Create)	**8**	**10%**
3	**3 Marks Narrative Questions (5x3)** (Knowledge,Understanding,Application,Analysis, Evaluation,Synthesis & Create)	**15**	**18.75%**
4	**4 MARKS Case Study Questions (3x4)** (Knowledge,Understanding,Application,Analysis, Evaluation,Synthesis & Create)	**12**	**15%**
5	**5. Mark Narrative Questions (4x5)** (Knowledge,Understanding,Application,Analysis, Evaluation,Synthesis & Create)	**20**	**25%**
6	**Map Skills**	**5**	**6.25%**
	Total	**80**	**100**

Weightage to Competency Levels

Sr. No.	Competencies	Marks (80)	Percentage
1	Remembering and Understanding: Exhibiting memory of previously learned material by recalling facts, terms, basic concepts, and answers; Demonstrating understanding of facts and ideas by organizing, translating, interpreting, giving descriptions and stating main ideas.	**24**	**30%**
2	Applying: Solving problems to new situations by applying acquiredknowledge, facts, techniques and rules in a different way.	**11**	**13.25%**
3	Formulating, Analysing, Evaluating and Creating: Examining and breaking information into parts by identifying motives or causes; Making inferences and finding evidence to support generalizations; Presenting and defending opinions by making judgments about information, validity of ideas, or quality of work basedon a set of criteria; Compiling information together in a different way by combining elements in a new pattern or proposing alternative solutions.	**40**	**50%**
4	Map Skill	**5**	**6.25%**
	Total	**80**	**100**

अनुलग्नक- I

परियोजना कार्य: कक्षा IX

प्रत्येक छात्र को **आपदा प्रबंधन** पर एक परियोजना अनिवार्य रूप से करनी है।
उद्देश्य: विद्यार्थियों को आपदा प्रबंधन पर परियोजना कार्य देने के मुख्य उद्देश्य हैं:

- उनमें विभिन्न आपदाओं, उनके परिणामों और प्रबंधन के बारे में जागरूकता पैदा करना।
- उन्हें ऐसी परिस्थितियों का सामना करने के लिए पहले से तैयार करना।
- आपदा न्यूनीकरण योजनाओं में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना।
- उन्हें समुदाय के बीच जागरूकता और तैयारी पैदा करने में सक्षम बनाना।
- परियोजना कार्य द्वारा छात्रों के जीवन कौशल को बढ़ाने में भी मदद करना।
- यदि संभव हो तो कला के विभिन्न रूपों को परियोजना कार्य में एकीकृत किया जा सकता है।

विद्यार्थी निम्नलिखित दक्षताओं को विकसित करता हैगे-

- सहयोग
- विश्लेषणात्मक कौशल का प्रयोग
- आपदाओं के दौरान स्थितियों का मूल्यांकन।
- सूचनाओं का संश्लेषण
- रचनात्मक समाधान की खोज
- समाधान के क्रम में रणनीतियों का निर्माण
- सही संचार कौशल का प्रयोग

दिशानिर्देश:

अपेक्षित उद्देश्यों को पूरी तरह से प्राप्त करने के लिए प्रधानाध्यापकों/ शिक्षकों को विभिन्न स्थानीय प्राधिकरणों और संगठनों जैसे- आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों, राहत, पुनर्वास और राज्यों के आपदा प्रबंधन विभागों, जिला मजिस्ट्रेट/ उपायुक्त कार्यालय, अग्निशमन सेवा, पुलिस, नागरिक सुरक्षा आदि से समर्थन जुटाना आवश्यक होगा जो विद्यालय के क्षेत्र में स्थित हैं।

छात्रों द्वारा किए गए प्रोजेक्ट को बाद में परस्पर संवादात्मक सत्रों जैसे प्रदर्शनियों, पैनल चर्चाओं आदि के माध्यम से आपस में साझा किया जाना चाहिए।

परियोजना कार्य से संबंधित विभिन्न रूब्रिकों पर अंकों का वितरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	आयाम	अंक
a.	सामग्री की सटीकता, मौलिकता और सहयोगी कौशल	2
b.	दक्षताओं का प्रदर्शन और प्रस्तुति	2
c.	मौखिक परीक्षा	1

- इस गतिविधि के तहत मूल्यांकन से संबंधित सभी दस्तावेजों को स्कूलों द्वारा सावधानीपूर्वक बनाए रखा जाना चाहिए।
- एक सारांश रिपोर्ट तैयार किया जाना चाहिए जिसमें निम्न शामिल हों:
  - व्यक्तिगत कार्य और सामूहिक अंतःक्रियाओं के माध्यम से प्राप्त किए गए उद्देश्य;
  - गतिविधियों का कैलेंडर;
  - प्रक्रिया में उत्पन्न नवीन विचार;
  - मौखिक परीक्षा में पूछे गए प्रश्नों की सूची।
- यहां सभी शिक्षकों और छात्रों द्वारा यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि तैयार किए गए प्रोजेक्ट और मॉडल बिना ज्यादा खर्च एवं पर्यावरण अनुकूल उत्पादों से बनाए जाने चाहिए।
- प्रोजेक्ट रिपोर्ट हस्तलिखित या डिजिटल हो सकती है।
- परियोजना कार्य को शिक्षार्थियों के संज्ञानात्मक, भावात्मक और मनोगत्यात्मक कौशल को बढ़ाने की आवश्यकता है। इसमें आत्म-मूल्यांकन/ सहपाठी मूल्यांकन/ परियोजना-आधारित/ पूछताछ-आधारित शिक्षा में बच्चे की प्रगति/ कला एकीकृत गतिविधियाँ/ प्रयोग/ मॉडल/ क्विज़/ रोल प्ले/ समूह कार्य/ पोर्टफोलियो आदि शामिल होंगे, साथ ही शिक्षक मूल्यांकन भी शामिल होगा। (एनईपी-2020)
- परियोजना कार्य पावर प्वाइंट प्रस्तुति/प्रदर्शनी/स्किट/एल्बम/फाइल/गीत और नृत्य या सांस्कृतिक शो/कहानी सुनाने/वाद-विवाद/पैनल चर्चा, पेपर प्रस्तुति और जो भी दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए उपयुक्त हो, के रूप में पूर्ण किया जा सकता है।
- सत्यापन के लिए परियोजना कार्य (आंतरिक मूल्यांकन) का रिकॉर्ड तीन महीने की अवधि के लिए रखा जाना चाहिए (यदि कोई हो)।

अनुलग्नक –II

अंतर्विषयी परियोजना कार्य कक्षा-IX

विषय एवं अध्याय सं.	अध्याय का नाम	सुझावात्मक शिक्षण अधिगम प्रक्रिया	विशिष्ट दक्षताओं के साथ अधिगम परिणाम	पूरा करने के लिए समय अनुसूची
भारत एवं समकालीन विश्व –II:	अध्याय 4: वन्य समाज एवं उपनिवेशवाद	**अंतर्विषयी परियोजना** शिक्षक अंतर्विषयी परियोजना को पूरा करने में छात्रों की सुविधा के लिए विभिन्न शिक्षण-शास्त्रीय गतिविधियों का उपयोग कर सकते हैं। • रचनावाद • पूछताछ आधारित अधिगम • सहकारी अधिगम • अनुसंधान आधारित अधिगम • अनुभव आधारित अधिगम • कला एकीकृत अधिगम **बहुआयामी आकलन:** उदाहरण: सर्वेक्षण/ साक्षात्कार/ अनुसंधान कार्य/ अवलोकन/ कहानी आधारित प्रस्तुति/ कला समेकन/ क्विज़/ वाद-विवाद/ रोल प्ले/ साक्षात्कार/ समूह-चर्चा/ दृश्य अभिव्यक्ति/ इंटरैक्टिव बुलेटिन बोर्ड/ गैलरी-वॉक/ एग्जिट कार्ड/ माइंड मैप/ सहपाठी मूल्याँकन/ मौखिक परीक्षा/ स्व-मूल्याँकन/ प्रौद्योगिकी का समावेशन आदि।	• पूर्व-औपनिवेशिक, औपनिवेशिक और उत्तर-औपनिवेशिक काल में प्रचलित वन स्थितियों की तुलना करते हैं। • विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों में व्यावसायिक वानिकी के विकास एवं उनकी भूमिका का मूल्यांकन करते हैं। • जावा के संदर्भ में दक्षिण पूर्व-एशिया के वन क्षेत्रों में विद्रोह के कारणों का विश्लेषण करते हैं। • भारत में वन्य वनस्पति और वन्य जीवन की रक्षा के उपाय तैयार करना।	अध्यापक/ अध्यापिका के मार्गदर्शन में विद्यालय में अप्रैल और सितंबर के महीने के बीच अंतर्विषयी परियोजना पूर्ण करना है। (परियोजना कार्य को गृह कार्य के रूप में देने से पूरी तरह से बचना है।)
समकालीन भारत-II:	अध्याय 5: प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीवन			

अंतर्विषयी परियोजना के लिए दिशानिर्देश:

● इसमें दो या अधिक विषयों को एक गतिविधि में अधिक सुसंगत और एकीकृत से जोड़ना शामिल है। आम तौर पर मान्यता प्राप्त विषय- अर्थशास्त्र, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान हैं, एक नमूना योजना संलग्न की गई है।

कृपया नीचे दिए गए लिंक पर का प्रयोग कीजिए:

https://docs.google.com/document/d/1668TKkRt80r4-kbjJ_Y7zg4mF3Vq1Y9k/edit

परियोजना की योजना:

नीचे एक 10 दिनों की सुझावात्मक योजना दी गई है जिसका पालन किया जा सकता है या आप नीचे दिए गए प्रारूप के आधार पर स्वयं बना सकते हैं।

प्रक्रिया:

छात्रों के बीच प्रारंभिक सहयोग द्वारा उनकी भूमिकाओं, एकीकरण के क्षेत्रों और विश्लेषण के क्षेत्र की व्यवस्था करना।

टीम लीडर: मुख्य सहयोगी
टीम के सदस्य:
नोट: शिक्षक विद्यार्थियों की क्षमताओं के अनुसार भूमिकाएँ आवंटित करता है।

- दिए गए पाठ्यक्रम के आधार पर नीचे दिए गए प्रारूप के अनुसार 10-दिन की योजना तैयार करना।
- मूल्यांकन योजना: रूब्रिक/आयामों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करते हुए शिक्षक द्वारा किया जाना है।
- नीचे दिए गए टेम्पलेट के अनुसार रिपोर्ट, पोस्टर और लघु वीडियो, स्वविचारों का प्रस्तुतीकरण और आभार की अभिव्यक्ति।

कक्षा IX अंतर्विषयी परियोजना 10 दिनों की सुझावात्मक योजना 10 कालांश

दिन 1-2: "उपनिवेशवाद और वन समाज"

- वन समाजों पर उपनिवेशवाद के प्रभावों की चर्चा कीजिए एवं औपनिवेशिक काल में संसाधन के रूप में वन की अवधारणा का अन्वेषण कीजिए।
- समूह परियोजना: औपनिवेशिक वन नीति एवं वन्य समाजों पर इसके प्रभाव पर अनुसंधान कीजिए और एक पीपीटी द्वारा प्रस्तुत कीजिए।

दिन 3-4: "जंगल में विद्रोह"

इतिहास में वन आधारित विद्रोहों के कारणों और प्रभावों का विश्लेषण कीजिए। निम्न फिल्म देखिए। अपने राज्य की वन जनजातियों और उनके द्वारा सामना किए जाने वाले शोषण के बारे में समूह चर्चा कीजिए। रूब्रिक के लिए अनुबंध VI देखिये।

https://www.youtube.com/watch?v=N6SR0REa_YA

दिन 5-6: जावा में वन परिवर्तन, उष्णकटिबंधीय सदाबहार वन

- जावा में वनों पर मानव गतिविधि के प्रभाव की जाँच कीजिए।
- अन्वेषण कीजिए कि भूमि उपयोग, कृषि और उद्योग में परिवर्तन ने वनों को किस प्रकार प्रभावित किया है। विद्यार्थी जावा में वनों में परिवर्तन के इतिहास और पर्यावरण पर उनके प्रभाव पर शोध कर सकते हैं।
- पूर्व-औपनिवेशिक काल से उत्तर-औपनिवेशिक काल तक, जावा में वनों के परिवर्तन का अध्ययन कीजिए।
- वनों को कृषि भूमि में परिवर्तन की आवश्यकताओं का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।
- समूह चर्चा के माध्यम से समाधान ढूँढने का प्रयास कीजिए एवं इसे एक कला समेकित परियोजना द्वारा प्रस्तुत कीजिए।
- उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों की विशेषताओं पर चर्चा कीजिए, जिसमें उनकी जलवायु, मिट्टी और वनस्पति/जंतु शामिल हैं। विद्यार्थी उष्णकटिबंधीय सदाबहार वनों के विशिष्ट उदाहरणों और वनों की कटाई और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना करने जैसे विषयों पर शोध कर सकते हैं। समूह परियोजना: लिंक के माध्यम से वीडियो देखें:

  https://www.youtube.com/watch?v=Ml0xvHsBigI

- वनों के परिवर्तनों का जावा के समाज, अर्थव्यवस्था और पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभावों का विश्लेषण कीजिए एवं उन्हें प्रस्तुत कीजिए। इन परिवर्तनों की तुलना भारतीय संदर्भ से कीजिए।
- अपने अधिगामों को एक पीपीटी द्वारा प्रस्तुत कीजिए। रूब्रिक/आयामों के लिए अनुलग्नक VI देखें।

दिन 7-8:

चर्चा कीजिए कि उपनिवेशवाद ने जंगल की जैव विविधता और जंगल में और उसके आसपास रहने वाले मूल निवासियों के अस्तित्व को कैसे प्रभावित किया है।

समूह गतिविधि: समूह को छोटी टीमों में विभाजित कीजिए और उन्हें विभिन्न प्रकार के वनों पर उपनिवेशवाद के प्रभाव की पहचान करने से संबंधित कार्य सौंपिए। उदाहरण के लिए, एक टीम जंगल की आग पर उपनिवेशवाद के प्रभाव का शोध कर सकती है, जबकि दूसरी टीम स्वदेशी पौधों और जानवरों के अस्तित्व पर उपनिवेशवाद के प्रभाव का शोध कर सकती है। विद्यार्थियों को अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने के लिए कार्टून पट्टियों का उपयोग करने को कहा जा सकता है।

दिन 9-10:

छात्रों को 8 दिनों के काम के सभी निष्कर्षों को संकलित करने एवं पीपीटी द्वारा प्रस्तुत करने और अनुलग्नक V में दिए गए प्रारूप के माध्यम से तैयार कीजिए।

अनुलग्नक- V

छात्रों की प्रस्तुति हेतु नमूना प्रपत्र - कक्षा IX

विद्यार्थी का नाम:	
टीम का नाम:	
कक्षा एवं अनुभाग:	**जमा करने की तिथि:**
अंतर्विषयी परियोजना का उपविषय:	
परियोजना का शीर्षक:	
उद्देश्य:	
बहु आयामी आकलन: उदाहरण: सर्वेक्षण/ साक्षात्कार/ अनुसंधान कार्य/ अवलोकन/ कहानी आधारित प्रस्तुति/ कला एकीकरण/ प्रश्नोत्तरी/ वाद-विवाद/ रोल प्ले/ मौखिक परीक्षा/ समूह चर्चा/ दृश्य अभिव्यक्ति/ इंटरैक्टिव बुलेटिन बोर्ड/ गैलरी वॉक/ निकास कार्ड/ अवधारणा मानचित्र/ सहपाठी मूल्यांकन/ स्व-मूल्यांकन/ प्रौद्योगिकी का उपयोग आदि।	
साक्ष्य: तस्वीरें, साक्षात्कार के अंश, अवलोकन, वीडियो, अनुसंधान संदर्भ आदि।	
समग्र प्रस्तुतिः पीपीटी का लिंक, साझा दस्तावेज, स्कूल की सुविधा के अनुसार डिजिटल/हस्तलिखित हो सकते हैं	
आभार:	
संदर्भ (वेबसाइट, किताबें, समाचार पत्र आदि):	
प्रतिदर्शन/ रिफ्लेक्सन:	

अनुलग्नक VI	
रुब्रिक/ आयाम	**आवंटित अंक**
अनुसंधान कार्य	**1**
सहयोग और संचार	**1**
प्रस्तुति और सामग्री प्रासंगिकता	**1**
दक्षताएँ: • रचनात्मकता • विश्लेषणात्मक कौशल • मूल्यांकन • संश्लेषण करना	**2**
कुल अंक	**5**